8 क्रिया
Doing Words—Verb

दीपिका रस्सी **कूद रही है।**   निगार गुड़िया से **खेल रही है।**   **सूर्यन मोमबत्ती जला रहा है।**

इन वाक्यों को पढ़कर ज्ञात होता है कि कौन क्या कर रहा है। 'कूद रही है', 'खेल रही है', 'जला रहा है'— किसी न किसी **काम के करने का** संकेत दे रहे हैं।

अब कुछ वाक्य देखिए, जिनसे क्रिया के होने का बोध होगा।

- कविता छात्रा है। • रोगी स्वस्थ है। • विभा बहुत सुंदर है। • मैं लड़का हूँ।

इन वाक्यों में आप देखेंगे कि रंगीन छपे पद **क्रिया के होने का** संकेत कर रहे हैं, अतः इन्हें भी क्रियाएँ ही कहेंगे। इस प्रकार—

जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।

* क्रिया कभी एक शब्द की होती है और कभी अनेक शब्दों की।

- मनु पुस्तक पढ़ेगा। • मनु पुस्तक पढ़ता है। • मनु पुस्तक पढ़ चुका होगा।

क्रिया के **दो भेद** होते हैं— 1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया

1. अकर्मक क्रिया

इन वाक्यों को देखिए—

- कनिका सोती है।
- रहमान हँसता है।

Scanned with CamScanner

'सोती है', 'हँसता है' क्रियाओं का फल सीधे कर्ता पर ही पड़ रहा है। अतः ये **अकर्मक क्रियाएँ** हैं। यहाँ क्रिया का कोई कर्म नहीं है। ऐसी क्रियाओं को कर्म की अपेक्षा नहीं रहती। हँसना, रोना, जागना, सोना, डूबना, डरना, चलना, बैठना, भागना, उठना आदि अकर्मक क्रियाएँ हैं।

2. सकर्मक क्रिया

इन वाक्यों को समझिए—

- नेहा पुस्तक पढ़ती है।
- ताबीश सेब खाता है।

इन वाक्यों में 'पढ़ती है' और 'खाता है' क्रियाएँ हैं। पहले वाक्य में नेहा (कर्ता) क्या पढ़ती है? पुस्तक। जो इस वाक्य में कर्म है। यहाँ क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है और क्रिया कर्म की अपेक्षा भी रखती है। अतः यहाँ **सकर्मक क्रिया** है। इसी प्रकार दूसरे वाक्य में भी 'सेब' कर्म है और 'खाता है' क्रिया, यहाँ भी क्रिया कर्म की अपेक्षा रखती है। खाना, पीना, बनाना, पढ़ना, लिखना—सकर्मक क्रियाएँ होती हैं।

* **अकर्मक और सकर्मक क्रिया की पहचान** के लिए क्रिया से पहले 'क्या' या 'किसे' लगाकर प्रश्न करें। यदि उत्तर न मिले तो क्रिया अकर्मक रहेगी और उत्तर मिले तो सकर्मक क्रिया होगी; जैसे—

- अमित **तैरता** है।

इस वाक्य में क्या तैरता है? कोई उत्तर नहीं आता, अतः अकर्मक क्रिया है।

- शिल्पा अनार **खाती** है।

इस वाक्य में क्या खाती है? उत्तर है—अनार, अतः सकर्मक क्रिया है।

हम जान गए
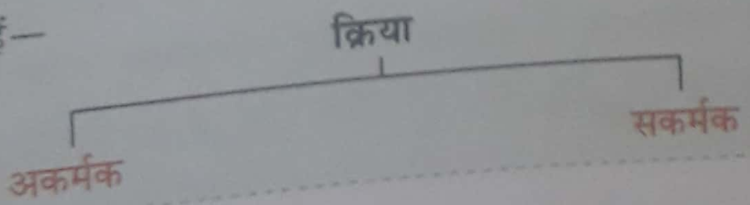
- जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
- क्रिया के दो भेद हैं—